कमजोर बच्चों के परीक्षा परिणाम सुधारने में शिक्षकों का हो फोकस-कलेक्टर

❐ कलेक्टर गोयल ने कहा स्कूलों में परीक्षा परिणाम बेहतर करना शिक्षकों का दायित्व

❐ कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने शिक्षा विभाग की बैठक लेकर अर्धवार्षिक परीक्षा परिणामों की गहन समीक्षा की

रायगढ़

स्कूलों का परीक्षा परिणाम सुधारने कमजोर प्रदर्शन वाले बच्चों पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। खासकर दसवीं एवं बारहवीं के बच्चे जो इस साल बोर्ड की परीक्षा में बैठेंगे। सभी प्राचार्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि अद्र्धवार्षिक परीक्षा में जिन बच्चों के परिणाम अच्छे नहीं रहे है उन बच्चों पर अधिक मेहनत की जाए। ये बातें कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने आज शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में कही।

कलेक्टर कार्तिकेया गोयल आज शिक्षा विभाग की बैठक में अर्धवार्षिक परीक्षा के परिणामों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों का लक्ष्य स्कूलों का उत्कृष्ट परिणाम होना चाहिए। उन्होंने परीक्षा परिणामों की समीक्षा के दौरान कमजोर प्रदर्शन वाले स्कूलों पर गहरी नाराजगी जतायी और ऐसे प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही हिदायत देते हुए कहा कि आगे प्री-बोर्ड परीक्षाएं होनी है इसके लिए अभी से अपनी तैयारी शुरू करें, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं चलेगी। जिला शिक्षा अधिकारी से लेकर सभी बीईओ और संकुल समन्वयक सुनिश्चित करें कि स्कूलों में अध्यापन का कार्य अच्छे से हो। रायगढ़ जिला का परीक्षा परिणाम बीते सालों से बेहतर करना आप सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि लापरवाही करने वालों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

कलेक्टर गोयल ने कहा कि स्कूली जीवन किसी भी छात्र की जिंदगी के सबसे महत्वपूर्ण साल होते है। माता-पिता बच्चों को स्कूलों में सर्वांगीण विकास के लिए भेजते है। शिक्षक के रूप में छात्रों को अपने जिले के साथ पूरे देश के लिए एक सक्षम बुद्धिमता के मानव संसाधन के रूप में तैयार करना शिक्षकों का कर्तव्य है। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि स्कूलों में सुनिश्चित किया जाए कि स्कूलों में सभी शिक्षक समन्वय से काम करें। किसी भी स्कूल का परीक्षा परिणाम वहां के शिक्षकों का सामुहिक उत्तरदायित्व होता है। ग्रामीण इलाकों में बच्चों के अनुपस्थिति के बाते भी आती रहती है। ऐसे पालकों से संपर्क कर शिक्षक बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित करें। आवश्यकता पडऩे पर शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों का भी सहयोग लें। कलेक्टर गोयल ने भाषा के साथ-साथ गणित व विज्ञान विषय पर विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश दिए। बच्चों को बोर्ड परीक्षा के अभ्यास के लिए सिलेबस कम्पलीट कराते हुए पिछले सालों के प्रश्न पत्र जरूर हल करवायें, आवश्कता पडऩे पर एक्सट्रा क्लासेस लें।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.वी.राव, डीएमसी नरेन्द्र कुमार चौधरी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी व जिले के सभी हाई एवं हायर सेकेण्ड्री स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

रोज पढ़वायें अखबार, स्कूलों में अनिवार्य रूप से लगवाएं लाईब्रेरी पीरियड

कलेक्टर गोयल ने कहा कि सभी स्कूलों में छात्रों को रोज अखबार पढ़वायें। अखबार के संपादकीय पृष्ट को विशेष रूप से प्रार्थना असेम्बली में छात्रों को पढऩे के लिए कहे। इससे देश-दुनिया में चल रहे सम-सामयिक विषयों पर उनकी पकड़ मजबूत होगी और स्टेज से बोलने का भय दूर होगा। इसके साथ ही उन्होंने स्कूलों में लाईब्रेरी का पीरियड अनिवार्य रूप से रखने जहां संभव हो वहां बुक क्लब बनाकर पुस्तक पाठन के लिए छात्रों को प्रेरित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर गोयल ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिए छात्रों के भीतर दो स्किल अनिवार्य रूप से होने चाहिए। पहला काम्प्रिहेंशन अर्थात किसी विषय वस्तु को पढ़कर कितनी जल्दी समझा जा सकता है, दूसरा अच्छा लेखन कौशल। छात्रों के भीतर यह स्किल स्कूल जीवन से ही विकसित किए जाने चाहिए। जिससे वे जल्द अपने लक्ष्यों को तय कर उसे पाने आगे बढ़ सके।

बच्चों का करियर गाईडेंस कर उन्हें सही दिशा में बढ़ाये आगे

कलेक्टर गोयल ने प्राचार्यों से कहा कि स्कूलों में कक्षा दसवीं के बाद बच्चों की रूचि व योग्यता के अनुसार उन्हें करियर निर्माण के लिए मार्गदर्शन देते हुए सही दिशा में आगे बढ़ाए। डॉक्टरी व इंजीनियरिंग के अलावा आज करियर के बहुत से विकल्प हमारे सामने है। जिन्हें चुनकर छात्र अपना उज्जवल भविष्य बना सकते है। इन फिल्ड से जुड़े प्रतियोगी परीक्षाओं व इंट्रेस एग्जाम, उसकी तैयारी के बारे में छात्रों को गाईड करें। आज ऑनलाईन वीडियो लेक्चर के माध्यम से पढ़ाई-लिखाई काफी आसान हो गई है, इसका सहयोग भी छात्रों की तैयारी में लिया जा सकता है।

महत्वपूर्ण एवं खास

फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन के संबंध में बैठक 6 जनवरी को

रायगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 6 जनवरी को फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन किया जाना है। जिसके संबंध में समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक 6 जनवरी 2025 को अपरान्ह 3 बज से कक्ष क्रमांक 23 (जिला निर्वाचन कार्यालय)में आयोजित की जाएगी।

फर्जी बिल से 45 लाख का गबन, जुर्म दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। फर्जी बिल से 45 लाख का गबन करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर सरस्वती नगर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सतीश सिंगौर 30 वर्ष जोरा लाभांडी का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी अमित अग्रवाल ने नेशनल कॉर्पोरेट जीई रोड सेक्टर नगर में काम करता है, ने फर्जी निर्माण संबंधी सामाग्री का फार्म अमन ट्रेडर्स खोलकर फर्जी तरीके से प्रार्थी के कंपनी से सामाग्री की मांग कर फर्जी बिल तैयार किया और कंपनी से 40 से 45 लाख का गबन कर लिया। प्रार्थी की शिकायत पर सरस्वती नगर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

नए साल में साय सरकार के मंत्रिमंडल में जुड़ेंगे नए चेहरे, बदलेगा राजनीतिक समीकरण

रायपुर (आरएनएस)। नए वर्ष में प्रदेश के राजनीतिक समीकरण में कई बदलाव देखने को मिलेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार के मंत्रिमंडल में नए विधायकों को जगह मिलने से नया राजनीतिक समीकरण बनेगा। हरियाणा की तर्ज पर प्रदेश में भी 14 मंत्री बनाने के प्रस्ताव पर मुहर लगी तो साय सरकार के मंत्रिमंडल में तीन नए चेहरों को मौका मिलेगा। अभी प्रदेश की 90 सीटों वाली विधानसभा में 15 प्रतिशत के हिसाब से 13.5 प्रतिशत विधायकों को ही मंत्री बनाने का प्रविधान है। हालांकि हरियाणा में भी भाजपा सरकार है और वहां भी विधानसभा में कुल 90 सीटें हैं, इसके बावजूद वहां पर 14 मंत्री बनाए गए हैं।

अभी साय मंत्रिमंडल में 11 मंत्री हैं

ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में भी हरियाणा फार्मूला चल सकता है। मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के रायपुर सांसद बनने के बाद साय मंत्रिमंडल में अभी 11 मंत्री हैं। मंत्रिमंडल के अलावा साय सरकार 33 निगम मंडलों में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष और सदस्यों की भी नियुक्ति करेगी। इसी तरह विधानसभा में उपाध्यक्ष और कांग्रेस की तरफ से उप नेता प्रतिपक्ष बनाने की भी कवायद हो सकती है।

सीएमएचओ डॉ निराला ने छात्रों को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरुक

❐ कृमि के कारण होती है एनिमिया

सारंगढ-बिलाईगढ़

कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू के निर्देशन में जिला के मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एफ आर निराला ने विकासखंड बिलाईगढ़ के शासकीय उच्चतर माद्यमिक विद्यालय सलिहा में विकासखण्ड एवं जिला के चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम स्वास्थ्य पे चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के प्रारंभ में स्कूल के प्रिंसिपल हितेंद्र कुमार पांडेय ने अतिथियों का परिचय कराया। जिला के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर एफ.आर. निराला ने स्वास्थ्य जागरूकता के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि स्कूल के बच्चों में रक्त अल्पता मतलब खून की कमी होने की सर्वे रिपोर्ट है।

शादी के समय सिकलसेल रिपोर्ट का मिलान जरुरी

शासन के आदेशानुसार जन्म से 40 वर्ष तक के सभी लोगों की सिकलसेल की जांच अभियान जारी है, जिसमें आगे चलकर इनकी उपचार का प्रबंध हो सके वहीं दूसरी ओर शादी के समय काउंसलिंग कर सिकलसेल की बीमारी को पीढी दर पीढ़ी होने से बचाया जा सकता है। शादी के समय कुंडली मिलान के अलावा सिकलसेल की जांच रिपोर्ट की भी मिलान करने की रिवाज को बढ़ावा दिए जाने की ज़रूरत है।इसमें समाज प्रमुखों की भी भूमिका अहम है। इस दौरान उपस्थित स्कूली बच्चों, शिक्षक एवं ग्रामवासियों का सिकलिन, शुगर, बीपी, एचबी, एनीमिया आदि स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

कृमि के कारण होती है एनीमिया

छोटे बच्चों में कृमि के कारण एनीमिया होना आम बात है। छोटे बच्चे आमतौर पर घर के आंगन में नंगे पैर खेलते है, जिन्हें कृमि होने की प्रबल संभावना होती है। ऐसे कृमि को नग्न आंखों से नही देखा जा सकता। यह कृमि पैर के तलवे से प्रवेश करता है। कुछ कृमि भोज्य पदार्थ के माध्यम से शरीर मे प्रवेश करता है। अंतड़ियों में निवास करता है। अंतड़ियों में अपनी आकर एवं संख्या को बढ़ाता है। कृमि अंतड़ी में जीवित रहने के लिए बच्चों के द्वारा ग्रहण की गई पोषक पदार्थ और खून को चुस्ता है। कृमि के द्वारा लगातार चूसते रहने के कारण बच्चे कमजोर हो जाते है। यही कारण है कि बच्चे को खून की कमी होता है। खून की कमी होने के कारण बच्चे की शारीरिक विकास एवं मानसिक विकास अवरुद्ध होता है। बच्चो में सीखने की क्षमता कम होती है। बच्चे का आईक्यू भी कम होता है। ऐसे बच्चों को चक्कर आना, जल्दी थक जाना, पढ़ाई में मन न लगना, पढ़ने से याद न होना आदि परेशानी होती है। ऐसे परेशानी को दूर करने के लिए शासन द्वारा वर्ष में 02 बार अगस्त एवम फ़रवरी में कृमिनाशक दवाई खिलाई जाती है। पिछले दो वर्षो से हमारे जिले के दो विकासखण्ड बरमकेला एवम सारंगढ में आईडीए जिसमें इभरमेक्टिन, डीईसी और एलबेंडाजोल की गोली एक साथ खिलाई जाती है। क्रीमीनाशक के साथ हाथी पाव की गोली भी खिलाई गयी थी। इस वर्ष बिलाईगढ़ में भी आईडीए कार्यक्रम फरवरी के महीने में चलाए जाएगी। बच्चों के साथ अन्य को भी दवाई खिलाई जाएगी। बच्चो को आयुष्मान कार्ड के उपयोग, समाज से टीबी एवं कुष्ठ उन्मूलन करने के लिए एवं समाज में तम्बाकू निषेध के अभियान को विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी।

पीएम आवास ग्रामीण की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सारंगढ़ बिलाईगढ़

कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू एवं परियोजना निदेशक हरिशंकर चौहान की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में पीएम आवास ग्रामीण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी ब्लॉक के सीईओ एवं पंचायत के सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने इस अवसर पर सभी ब्लॉक के पीएम आवास की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष के अंत तक सभी कार्य को पूरा करने की कोशिश करें। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों को आवास प्रदान करना है। यह योजना केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही है। योजना के लाभार्थियों का चयन सामाजिक- आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) के आधार पर किया जाता है। योजना के तहत, लाभार्थियों को अपने घरों का निर्माण करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें लाभार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं। अब तक लाखों लाभार्थियों को आवास प्रदान किए जा चुके हैं।

512 क्विंटल अवैध धान जब्त

सारंगढ़ बिलाईगढ़

राजस्व एवं मंडी के संयुक्त दल द्वारा ग्राम सालर एवं घोराघाटी में बुधवार को मंडी के पंजीकृत फर्म राज ट्रेडर्स के गोदाम में धान 185 बोरी (74 क्विंटल) तथा राधा किशन ट्रेडर्स घोराघाटी के गोदाम में धान 617 बोरी (247 क्विंटल) अवैध रूप से भंडारित होने के कारण मंडी अधिनियम के तहत कार्यवाही कर जप्ती प्रकरण बनाया गया। यह कार्यवाही कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू के निर्देश पर सारंगढ़ ब्लॉक में प्रखर चंद्राकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार मनीष सूर्यवंशी एवं मंडी सचिव राजेन्द्र कुमार ध्रुव, कर्मचारी डी.के. साहू, अर्जुन सिंह ठाकुर, जगदीश बरेठ की उपस्थिति में किया गया। सारंगढ़ मंडी के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा गुरुवार को ग्राम सालार के फर्म अग्रवाल ट्रेडर्स में आकस्मिक निरीक्षण किया गया जिस पर 253 कट्टा 101.20 क्विंटल धान अवैध रूप से भंडारित पाया गया जिसे जप्त किया गया। इसी प्रकार ग्राम बंजारी के ख़ेम लाल खूंटे के फर्म अनूप ट्रेडर्स का आकस्मिक निरीक्षण किया गया जिस पर 226 कट्टा 90.40 क्विंटल धान अवैध रूप से भंडारित पाया गया जिसे जप्त किया जाकर मंडी अधिनियम के तहत कार्यवाही किया गया।

महिला की लाश मिलने से फैली सनसनी

रायगढ़-रायपुर । आरएनएस

मुख्यालय स्थित जिला जेल परिसर के निगम कॉम्पलेक्स में एक महिला की लाश मिली, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. प्रारंभिक जांच में महिला की हत्या की आशंका जताई गई है. पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। मृतका की पहचान डिलेश्वरी महंत (45 वर्ष) के रूप में हुई है, जो भीख मांगकर अपना जीवन यापन करती थी. स्थानीय लोगों ने बताया कि वह अक्सर निगम कॉम्पलेक्स में ही सोती थी. आज सुबह स्थानीय निवासियों ने महिला का शव पड़ा देखा, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया. महिला के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं. आसपास की स्थिति देखने के बाद यह भी लगा कि उक्त महिला की हत्या की गई है। जूटमिल थाना प्रभारी मोहन भारद्वाज ने बताया कि देर रात महिला की मौत हुई है और देखने से लगता है कि उसकी हत्या की गई है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और कुछ सुराग के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इस पूरे मामले में स्थानीय निवासी और पूर्व पार्षद मुक्तिनाथ बबुआ ने भी बताया कि उन्हें लोगों ने सूचना दी कि रोजाना भीख मांगकर अपना गुजर बसर करने वाली डिलेश्वरी महंत निगम कॉम्पलेक्स में ही सोती थी और आज सुबह उसकी यहां लाश पड़ी हुई मिली. उन्हें भी लगता है कि उसकी हत्या की गई है। बहरहाल, जूटमिल पुलिस ने अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज करके लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. साथ ही साथ हिरासत में लिए गए लोगों से भी पूछताछ करके मामले का पता लगाने में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री ने भारतीय सेना में नर्सिंग अफसर वीणा साहू और राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज में चयनित आदित्य सिंह की सराहना की

रायपुर । आरएनएस

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट नर्सिंग अफसर के रूप में सेवा दे रही छत्तीसगढ़ की बेटी वीणा साहू और राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज में चयनित बस्तर संभाग के फरसगांव के आदित्य सिंह के भारतीय सेना में जाने के जज्बे की सराहना की है। ये दोनों युवा साधारण परिवार से हैं, साधारण पृष्ठभूमि के इन युवाओं ने देश की सेवा और भारतीय सेना में शामिल होने के अपने जुनून और जज्बे के चलते यह मुकाम हासिल किया है।

वीणा साहू बालोद जिले के जमरूवा गांव के किसान चेतन साहू की बेटी हैं। वीणा साहू का सपना मिलिट्री में जाने का था, जो उन्होंने अपने लगन और मेहनत से पूरा कर दिखाया। आदित्य सिंह के पिता जयप्रकाश सिंह जनरल स्टोर चलाते हैं। आदित्य के पिता एयरफोर्स में जाना चाहते थे, लेकिन सफल नहीं हो पाए। उनका यह सपना उनके बेटे ने अपनी मेहनत और लगन से साकार कर दिखाया है।मुख्यमंत्री साय ने वीणा साहू से फोन पर बात कर उन्हें उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी और उनका उत्साहवर्धन किया। वीणा साहू छुट्टियों में अपने घर आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियां हमारा स्वाभिमान है, छत्तीसगढ़ की शान हैं। उन्होंने वीणा साहू से कहा कि आपने छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया है, छत्तीसगढ़ का नाम ऊंचा किया है। आपकी यह उपलब्धि प्रदेश के असंख्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। वीणा साहू ने कहा कि नर्सिंग ऑफिसर बनकर हम उन लोगों की सेवा कर रहे हैं, जो देश की सेवा करते हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है।

मुख्यमंत्री ने आदित्य सिंह की इस उपलब्धि के लिए उनके पिता से फोन पर बात कर उन्हें शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदित्य की यह सफलता पूरे प्रदेश के लिए गर्वित करने वाला पल है, आदित्य को भी इस उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री ने आदित्य के पिता से कहा कि आदित्य की पढ़ाई की चिंता न करें, जो भी जरूरी होगा सहयोग करेंगे। आदित्य ने छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा देश और प्रदेश की सेवा में सदैव तत्पर हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक नीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

60 लाख मूल्य के करीब 600 गुम मोबाइल पुलिस ने स्वामियों को किया वापस

रायपुर । आरएनएस

गुम मोबाईल फोन की बरामदगी सुनिश्चित करते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों सहित एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को गुम मोबाईल फोन को ढूंढ कर बरामद करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थानों की संयुक्त टीम द्वारा आवेदकों द्वारा प्रस्तुत गुम मोबाईल फोन के आवेदनों पर गुम हुए मोबाईल फोन को ढूंढने का विशेष अभियान चलाया गया। पुलिस टीम द्वारा गुम हुए कुल 300 नग मोबाईल फोन को प्रदेश सहित अन्य राज्यों के अलग - अलग स्थानों से ढूंढ कर बरामद किया गया। कुल 300 नग मोबाईल फोन कीमती लगभग 60 लाख रूपये बरामद कर आज दिनांक 02.01.2025 को मोबाईल फोन को उनके स्वामियों को वितरित किया गया। गुम हुए मोबाईल फोन को बरामद करने के दौरान एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण कर वर्तमान में चला रहे मोबाईल धारक से गुम होने की मोबाईल उसके द्वारा चलाये जाने की जानकारी देकर उसे सायबर सेल रायपुर में जमा करने कहने पर मोबाईल धारक द्वारा मोबाईल फोन को बंद भी कर दिया जाता था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा अन्य राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित कर मोबाईल धारक को तस्दीक कराकर उनसे मोबाईल फोन बरामद कर थाने में जमा कराया। उसके पश्चात् अन्य राज्यों एवं विभिन्न जिलों से मोबाईल फोन को कुरियर के माध्यम से मंगाया गया। इस दौरान कुछ मोबाईल धारको को गुम मोबाईल चलाये जाने के बारे में बताये जाने पर उनके द्वारा स्वयं से भी कुरियर कराया गया है। रायपुर पुलिस द्वारा अन्य राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर मोबाईल फोन बरामद किया गया। जिसमें से उड़ीसा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड तथा बिहार से मोबाईल फोन बरामद किया गया। वर्ष 2024 में अब तक 02 करोड़ 25 लाख रूपये कीमत के कुल 1051 नग गुम हुए मोबाईल फोन को मोबाईल फोन स्वामियों को वापस किया गया है। रायपुर पुलिस समस्त जनता से अपील करती है, कि मोबाईल फोन गुम होने की स्थिति में तत्काल 222-पोर्टल में गुम होने के संबंध में जानकारी भेजे एवं अपने नजदीकी थाना/सायबर सेल से संपर्क करें, जिससे मोबाईल फोन का किसी भी अपराध में उपयोग ना हो सके। अपने मोबाईल फोन को हमेशा पासवर्ड प्रोटेक्टेड रखें। जागरूक रहकर किसी भी प्रकार के सायबर अपराध से बचा जा सकता है। रायपुर पुलिस आम जनता से अपील करती है, यदि किसी व्यक्ति को कोई भी मोबाइल फोन लावारिस अथवा अन्य हालत में प्राप्त होती है, तो ऐसे मोबाइल फ़ोन को तत्काल कार्यालय साइबर सेल सिविल लाइन रायपुर में जमा करें द्य मोबाइल फोन जमा करने वाले व्यक्ति को रायपुर पुलिस द्वारा सम्मानित किया जाएगा।